



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

अजीत सप्ताहचार

23.3.23

5

1-2

### समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक निभा सकते हैं अहम भूमिका : डॉ. नीरज



शिविर में डॉ. नीरज कुमार को सम्मानित करते हुए।

हिसार, 22 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ने गांव गंगवा में वार्षिक शिविर का आयोजन किया। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय

एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार उपस्थित रहे, जिन्होंने यज्ञ हवन करवाकर शिविर का शुभारंभ किया। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक अहम भूमिका निभा सकते हैं। पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषयों का हल करके हम देश की उन्नति में बेहترین भागीदारी निभा सकते हैं। हमें अपने देश के प्रति कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनाना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि युवा शक्ति देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करके और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करने की जरूरत है। इस शिविर में कुल 51 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	23.3.23	4	6



हिसार में एनएसएस कैंप में महिलाओं को सम्मानित करते डॉ. नीरज कुमार। संवाद

## 'समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाएं महिलाएं'

हिसार। एचएयू के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने गोंब गंगवा में वार्षिक शिविर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि एवं मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में महिलाएं व स्वयंसेवक अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषयों का हल करके हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। हमें अपने देश के प्रति कर्तव्यों का पालन कर अच्छा नागरिक बनाना चाहिए व दूसरों को भी ऐसे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। युवा शक्ति देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की धारण को साकार करना होगा। शिविर में कुल 51 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संवाद





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

धीरे-धीरे

23.3.23

9

7-8

### मंगवा में वार्षिक शिविर का शुभारंभ

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ने गांव मंगवा में वार्षिक शिविर का आयोजन



विज्ञान। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार उपस्थित रहे, जिन्होंने राह हवन करवाकर शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में कुल 51

स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एमएसएनएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल बटिया, गांव मंगवा के सरपंच मंगलमदास व पूर्व सरपंच सुरती देवी भी मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	22.03.2023	-----	-----

## राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में नृत्य व गायन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



शिविर में डॉ. नीरज कुमार सम्मानित करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ने गांव गंगवा में वार्षिक शिविर का आयोजन किया। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार उपस्थित रहे। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने बताया कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक अहम भूमिका निभा सकते हैं। पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषयों का हल करके हम देश की उन्नति में बेहतरीन भागीदारी निभा सकते हैं। इस शिविर में कुल 51 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया, सरपंच भगवान दास व पूर्व सरपंच सुरती देवी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	22.03.2023	-----	-----

### समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में स्वयंसेवक निभा सकते हैं अहम भूमिका : डॉ. नीरज कुमार

समस्त हरियाणा न्यूज हिंसर, 22 मरुच। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई ने गांव गंगवा में वार्षिक शिविर का आयोजन किया। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार उपस्थित रहे, जिन्होंने यज्ञ हवन कस्वाकर शिविर का शुभारंभ किया। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करके और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करने की जरूरत है। इस शिविर में कुल 51 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा नृत्य व गायन प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दाहिया, गांव गंगवा के सरपंच भगवानदास व पूर्व सरपंच सुरती देवी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
श्रीनन्द हिन्दू	23.3.23	10	6-7

### ‘मोटे अनाज का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद’

■ महिलाओं के विकास के  
लिए कार्यशाला आयोजित

हिसार, 22 मार्च (जिस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की टीम ने गांव बालावास में महिलाओं के विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन जी-20 के अंतर्गत गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मंजू महता ने कहा कि गेहूं, चावल के मुकाबले मोटा अनाज उगाना और खाना दोनों ही ज्यादा फायदेमंद है, जिससे शरीर की इम्युनिटी मजबूत होती है। बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। कार्यशाला में

विभागाध्यक्ष डॉ बीना यादव ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण एवं सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सहायक प्राध्यापक डॉ वंदना वर्मा ने बच्चों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ संतोष रानी ने गृह वाटिका लगाने के लिए जागरूक किया।

गांव के सरपंच पवन बुडानिया व समाजसेवक अध्यापक सुरेश कुमार ने कार्यशाला के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। आंगनवाड़ी वर्कर प्रोमिला देवी व तारो देवी ने भी आईसीडीएस की स्कीमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

ऊर्जा समाचार

23.3.23

## गेहूं-चावल के मुकाबले मोटे अनाज का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद : डॉ. मंजू



गांव बालावास  
में आयोजित  
कार्यशाला में  
महिलाओं को  
जागरूक  
करती हुई  
एचएयू की  
टीम।

हिसार, 22 मार्च (विरोद वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की टीम ने गांव बालावास में महिलाओं के विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन जी-20 के अंतर्गत गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता के नेतृत्व में करवाया गया। कार्यशाला में विभागाध्यक्ष डॉ. मोना

यादव ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण एवं सेवाओं की जानकारी दी, साथ ही जी-20 का महत्त्व बताया। उन्होंने बताया कि 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। गेहूं-चावल के मुकाबले मोटा अनाज उगाना और खाना दोनों ही ज्यादा फायदेमंद है, जिससे शरीर की इम्युनिटी मजबूत होती है और बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. वंदना वर्मा ने बच्चों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष रानी ने गृह-वाटिका लगाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि गृह वाटिका से घर के चारों ओर खाली भूमि का सदुपयोग होता है, साथ ही मनपसंद सब्जियां भी मिलती हैं, जोकि ताजा सोफ-सुथरी व कीटनाशक रहित और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। गांव के सरपंच पवन बुडानिया व समाजसेवक अध्यापक सुरेश कुमार ने कार्यशाला के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने महिलाओं व बच्चों को कार्यशाला में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आंगनवाड़ी वर्कर प्रोमिला देवी व तारो देवी ने भी आईसीडीएस की स्कीमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	22.03.2023	-----	-----

## गेहूं-चावल के मुकाबले मोटे अनाज का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद : डॉ. मंजू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 22 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की टीम ने गांव बालावास में महिलाओं के विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन जी-20 के अंतर्गत गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता के नेतृत्व में करवाया गया। कार्यशाला में विभागाध्यक्ष डॉ. बीना यादव ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण एवं सेवाओं की जानकारी दी, साथ ही जी-20 का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। गेहूं-चावल के मुकाबले मोटा अनाज उगाना और खाना दोनों ही ज्यादा फायदेमंद है, जिससे शरीर की इम्युनिटी मजबूत होती है और बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। सहायक प्राध्यापक डॉ. वंदना वर्मा ने बच्चों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष रानी ने गृह-बाटिका लगाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि गृह बाटिका में घर के चारों ओर खाली भूमि का सदुपयोग होता है, साथ ही मनपसंद सब्जियां भी मिलती हैं, जोकि ताजा साफ-सुधरी व कीटनाशक रहित और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। गांव के सरपंच पवन बुढानियां व समाजसेवक अध्यापक सुरेश कुमार ने कार्यशाला के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने महिलाओं



व बच्चों को कार्यशाला में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आंगनवाड़ी वर्कर प्रीमिला देवी व तारो देवी ने भी आईसीडीएस की स्कीमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	22.03.2023	-----	-----

## बालावास में महिलाओं के विकास के लिए कार्यशाला आयोजित की

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की टीम ने गांव बालावास में महिलाओं के विकास के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन जी-20 के अंतर्गत गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता के नेतृत्व में करवाया गया। कार्यशाला में विभागाध्यक्ष डॉ. बीना यादव ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण एवं सेवाओं की जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक डॉ. वंदना वर्मा ने बच्चों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष रानी ने गृह-वाटिका लगाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि गृह वाटिका से घर के चारों ओर खाली भूमि का सदुपयोग होता है, साथ ही मनपसंद सब्जियां भी मिलती हैं, जोकि ताजा साफ-सुथरी व कीटनाशक रहित और पोषक तत्वों से भरपूर होती है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.3.23	4	1-5

## भास्कर खास • एचएयू के वैज्ञानिक बोले- कीटनाशकों के छिड़काव से फसल पर पड़ता था बुरा प्रभाव किसानों की फसलों को कीट पतंगों से बचाएगा आधुनिक सोलर कीट जाल, एक जाल ढाई एकड़ फसल का बचाव करने में सक्षम

भास्कर न्यूज़ | हिंसार

फसलों में लगने वाले कीट पतंगों पर अंकुश लगाने के लिए अब दवाइयों की जरूरत नहीं पड़ेगी। एचएयू के वैज्ञानिकों ने आधुनिक सोलर कीट जाल तैयार किया है। यह दिन में चार्ज होने पर रात में खुद ही चालू रहकर कीट पतंगों का खात्मा करेगा। ढाई एकड़ फसल में एक जाल लगाकर कीट पतंगों पर अंकुश लगाया जा सकता है। एचएयू प्रशासन ने हाल ही में हुए कृषि विकास मेले में भी पहली बार सोलर कीट जाल को प्रदर्शनी में रखा। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि सोलर कीट जाल किसानों की फसलों को कीट पतंगों से बचाने में अहम भूमिका निभाएगा।



सोलर कीट जाल।

### ये हैं सोलर कीट जाल की खासियतें

- इस पर 10 हजार रु. की लागत आती है।
- ढाई एकड़ में एक सोलर कीट जाल कीट पतंगों को फकड़कर पानी में डाल देता है, जिससे कीट पतंग मर जाते हैं।
- गर्मियों व सर्दियों दोनों सीजन में जाल का प्रयोग खेतीबाड़ी में किया जा सकता है।
- सूर्य के प्रकाश से चार्ज हो जाता है। चार्ज होने के बाद कई घंटे तक चलता है।
- सोलर कीट जाल को चार्ज करने के लिए किसान को कोई स्विच दबाने की जरूरत नहीं होती, ऑटोमैटिक सिस्टम के कारण खुद ही चार्ज व बंद हो जाता है।
- छोटे किसान भी बजट में रहने के कारण जाल को आसानी से खरीद सकते हैं।

### आधुनिक सोलर कीट जाल की जरूरत क्यों पड़ी

गेहूं, सरसों, मूंगे या फिर फसल और सब्जियों की फसल को कुछ कीट पतंगे नुकसान पहुंचाते हैं। इसके खारभे के लिए रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है। इससे फसल भी जहरीली हो जाती है। यह कई साल रिसर्च के बाद तैयार किया है।